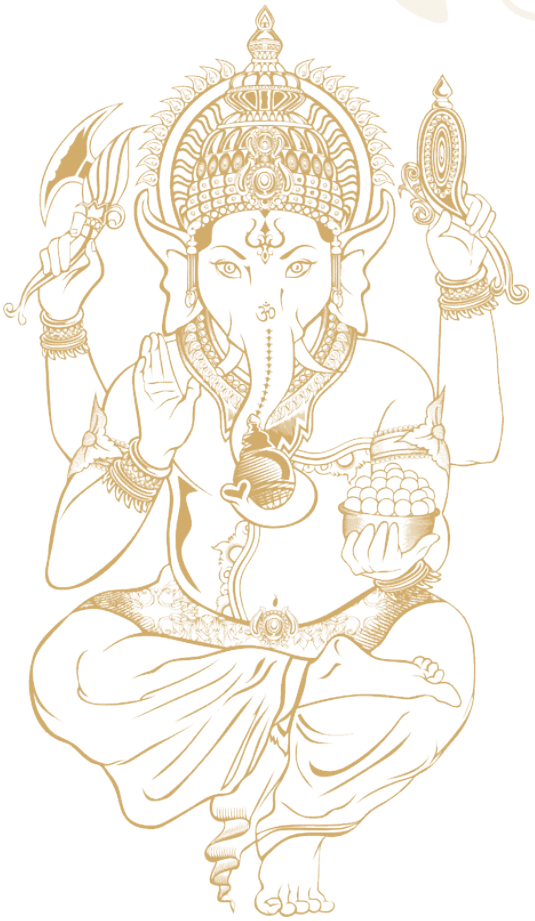

N

11 Feb 2026

08:23 PM

Gauhati

Model: web-freekundliweb

Order No: 121248808

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/02/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**20:23:00 घंटे**
इष्ट	35:42:57 घटी
स्थान	**Gauhati**
राज्य	Assam
देश	India

अक्षांश	26:10:00 उत्तर
रेखांश	91:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:37:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:00:00 घंटे
वेलान्तर	-00:14:13 घंटे
साम्पातिक काल	06:26:44 घंटे
सूर्योदय	06:05:49 घंटे
सूर्यास्त	17:12:55 घंटे
दिनमान	11:07:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	28:39:41 मकर
लग्न के अंश	11:46:53 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	व्याघात
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यतीन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:46:53	324:01:50	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	---
सूर्य			मक	28:39:41	01:00:42	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	21:22:42	11:54:41	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	नीच राशि
मंगल		अ	मक	20:50:06	00:47:10	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध			कुंभ	13:46:04	01:38:39	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:04:52	00:05:10	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	07:16:04	01:15:09	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि			मीन	05:30:56	00:06:29	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:53:07	00:01:41	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:53:07	00:01:41	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:15:40	00:00:24	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:13:49	00:01:53	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:48:18	00:01:50	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	11:54:52	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:26

लग्न-चलित

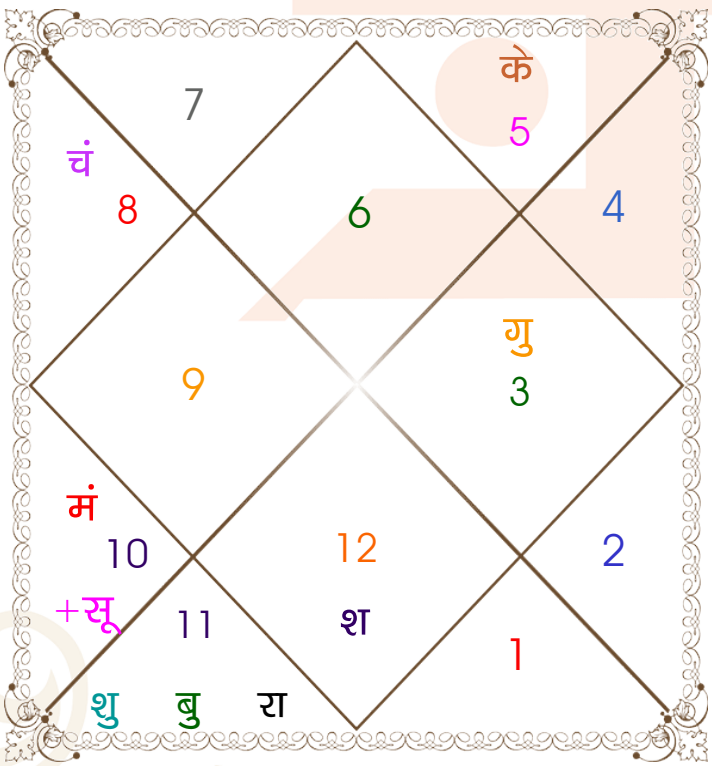

चन्द्र कुंडली

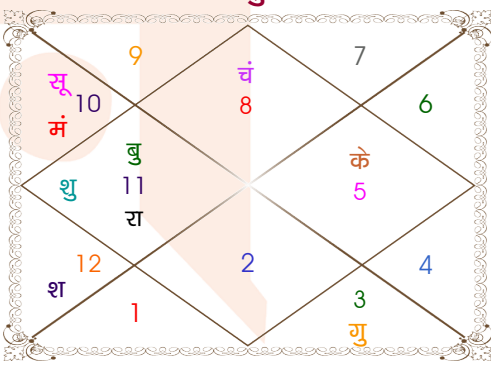

नवमांश कुंडली

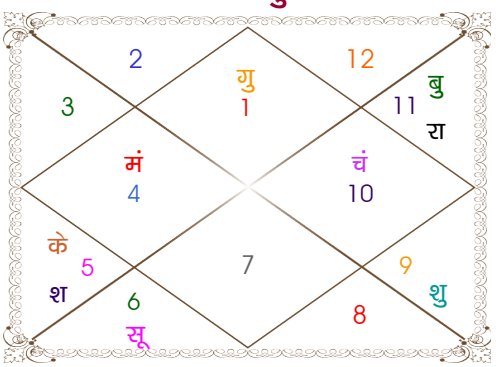

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 10 वर्ष 11 मास 27 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
11/02/2026		08/02/2037		09/02/2044		09/02/2064		09/02/2070	
08/02/2037		09/02/2044		09/02/2064		09/02/2070		09/02/2080	
	00/00/0000	केतु	08/07/2037	शुक्र	11/06/2047	सूर्य	29/05/2064	चंद्र	10/12/2070
	11/02/2026	शुक्र	07/09/2038	सूर्य	10/06/2048	चंद्र	27/11/2064	मंगल	11/07/2071
शुक्र	05/05/2026	सूर्य	13/01/2039	चंद्र	09/02/2050	मंगल	04/04/2065	राहु	09/01/2073
सूर्य	11/03/2027	चंद्र	14/08/2039	मंगल	11/04/2051	राहु	27/02/2066	गुरु	11/05/2074
चंद्र	10/08/2028	मंगल	10/01/2040	राहु	11/04/2054	गुरु	16/12/2066	शनि	10/12/2075
मंगल	07/08/2029	राहु	27/01/2041	गुरु	10/12/2056	शनि	28/11/2067	बुध	11/05/2077
राहु	24/02/2032	गुरु	03/01/2042	शनि	09/02/2060	बुध	04/10/2068	केतु	10/12/2077
गुरु	01/06/2034	शनि	12/02/2043	बुध	10/12/2062	केतु	08/02/2069	शुक्र	11/08/2079
शनि	08/02/2037	बुध	09/02/2044	केतु	09/02/2064	शुक्र	09/02/2070	सूर्य	09/02/2080

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/02/2080		09/02/2087		09/02/2105		09/02/2121		10/02/2140	
09/02/2087		09/02/2105		09/02/2121		10/02/2140		00/00/0000	
मंगल	07/07/2080	राहु	22/10/2089	गुरु	31/03/2107	शनि	13/02/2124	बुध	09/07/2142
राहु	26/07/2081	गुरु	17/03/2092	शनि	11/10/2109	बुध	23/10/2126	केतु	06/07/2143
गुरु	02/07/2082	शनि	22/01/2095	बुध	17/01/2112	केतु	02/12/2127	शुक्र	12/02/2146
शनि	11/08/2083	बुध	10/08/2097	केतु	23/12/2112	शुक्र	01/02/2131		00/00/0000
बुध	07/08/2084	केतु	29/08/2098	शुक्र	24/08/2115	सूर्य	14/01/2132		00/00/0000
केतु	03/01/2085	शुक्र	29/08/2101	सूर्य	11/06/2116	चंद्र	14/08/2133		00/00/0000
शुक्र	05/03/2086	सूर्य	24/07/2102	चंद्र	11/10/2117	मंगल	23/09/2134		00/00/0000
सूर्य	11/07/2086	चंद्र	23/01/2104	मंगल	17/09/2118	राहु	30/07/2137		00/00/0000
चंद्र	09/02/2087	मंगल	09/02/2105	राहु	09/02/2121	गुरु	10/02/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 10 वर्ष 11 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।